Kahanishala
20 September at 10:09 · Facebook for Android ·

किताब- सो जा उल्लू
चित्र- भूरी बाई
कहानी- भूरी बाई (किताब पर लिखा नहीं है। विवरण और परिचय के आधार पर)
प्रकाशन – एकलव्य प्रकाशन
यह किताब एक चित्र कथा है। इस किताब में भीली शैली से बने चित्रों को शामिल किया गया है। ये कहानी एक उल्लू और उसकी एक रात की है। जब वह अपने आसपास की अलग-अलग आवाज़ों की वजह से सो नहीं पता। क्या करेगा ऐसे में वो? क्या वह शोर में सो पाएगा? क्या वह अपने आसपास की आवाज़ों की कम या ख़तम करने का कोई तरीका खोज लेगा? इन्हें सवालों का जवाब देती है ये कहानी।
ये कहानी बहुत से प्रयोग और चर्चा का अवसर देती है- जैसे दिन-रात वाले पक्षी, पक्षियों/जानवरों की आवाजें या आसपास सुनाई देने वाली आवाजें, दिन और रात का वातावरण और परिवर्तन, भीली शैली आदि। ये सरल कहानी हर आयु-वर्ग के लिए अपने अंदर कुछ समेटे हुई है।
#Hindi #PictureStory #Sounds #Animals #Birds #Owl #Night #EklavyaPrakashan #BheeliArt #Reader #Reviewer #Storyteller #Kahanishala
Eklavya Pitara

Kahanishala
11 September at 16:07 · Facebook for Android ·

किताब – लाल फूलों की खुशबू पीली
लेखन व चित्रांकन - बाणीप्रसन्न
प्रकाशन – एकलव्य प्रकाशन
बच्चों के लिए आसान, मज़ेदार, चटपटी और अनोखी 21 कविताओं, रंगीन और खुबसूरत चित्रों से भरपूर ये किताब हर बच्चे के पास होनी चाहिए। इन कविताओं की सबसे बड़ी खासियत इसमें प्रयुक्त शब्द है। इनमें बच्चों की भाषा है, इनमें लय है, तुकबंदी है, अटपते शब्द है, संगीत है, एक नयापन है। ये कविताएँ बार-बार पढ़ी जा सकती हैं, इन्हें गाने में मज़ा आता है। हिंदी भाषा में इस तरह की कविताओं की कमी है जिनमें अर्थ नहीं आनंद मिल सके। ये कविताएँ इस कमी को पूरा करती है। ये कविताएँ पाठक और श्रोता को लिखने के लिए प्रेरित करती है।
#Hindi #Poem #NonsensePoem #Rhyming #Beautiful #Illustrated #Colorful #ChildFriendly #Poet #Reader #Reviewer #Storyteller #SearchformorePoems #Hindi #Kahanishala
Eklavya Pitara

See translation

Kahanishala
6 September at 14:38 · Facebook for Android ·

कहानी- छुटकी और चीरो
लेखिका- मंजरी सिंह
चित्रकार- प्रशांत सोनी
प्रकाशन - एकलव्य

यह कहानी 'Face your Fear' के बारे में सिखाती है।
बहुत-ही छोटी और सरल है ये कहानी। यह कहानी छुटकी और चीरो की है। एक को अँधेरा डराता है और एक को उजाला। सरल शब्दों और छोटे वाक्यों से बुनी ये कहानी जल्द ही शुरू होकर, समस्या के बारे में बताकर जल्द-ही ख़तम हो जाती है। इस कहानी में उम्मीद है, संभावना है, ठीक होने की आशा है। ये कहानी आगे की कहानी को बुनने, पात्रों पर बातचीत करने, कहानी को जीवन से जोड़कर चर्चा करने, अनुभव बाँटने, आपकी पसंद-नापसंद बताने, चित्र बनाने आदि के बहुतेरे अवसर देती है।
इस पूरी कहानी के साथ जो मुझे एक समस्या दिखती है वो इसके पात्र को लेकर लगती है। चीरो चमगादड़ को उजाले से डर लगता है और एक टोर्च की मदद... More

See translation

Kahanishala
5 September at 06:12 · Facebook for Android ·

सुबह-सुबह किताबें मिल जाए तो आप क्या करेंगे?
मैं तो उसके बाद घंटों उसे सूँघने, निहारने और पेज टटोलने में ही निकाल दूँगी और फिर खोजूंगी वो मौका जहाँ मैं किसी कहानी/किताब को पढ़ सकूँ।
#Eklavya आई किताबों में से एक किताब थी #RichaJha द्वारा लिखित कहानी Machhar jhol का हिंदी अनुवाद। ये कहानी (अंग्रेज़ी में) मैं पहले पढ़ चुकी हूँ और इस कहानी को पसंद करने का सबसे बड़ा कारण इसके चित्र थे। ये कहानी बहुत-ही संवेदनशील तरीके से एक बाप-बेटे के रिश्ते को बयाँ करती है। ऐसी में बहुत महत्वपूर्ण है कि अनुवाद में भी भाषा और भावों की वो सहजता बनी रहे। इस कहानी के हिंदी अनुवाद माछेर झोल को पढ़कर कहा जा सकता है की अनुवादक भरत त्रिपाठी ने इस कहानी को जिंदा रखा है।

कुछ बातें कहानी के बारे में-
कहानी – माछेर झोल (मछली का सालन)
लेखिका – ऋचा झा (ऋचा अपने नाम को रिचा लिखने की स्वतंत्रा देती है।)
चित्र- सुमंता डे
अनुवादक – भरत त्रिपाठी

हमारे बहुत सारे ideas किसी एक छोटे से trigger से शुरू हो जाते हैं। इस किताब के लिए trigger थे Sumanta Dey द्वारा बनाया गया कलकत्ता का एक चित्र। (ये किताब के बारे में खोजते हुए पता चला)। उस चित्र से ही बनी है ये खुबसूरत कहानी। इस कहानी का मुख्य किरदार गोपू है। कहानी गोपू और उसके एक दिन के आसपास घूमती है। गोपू अपने बीमार पिता के लिए उनकी पसंदीदा 'माछर झोल' (FishCurry) बनाना चाहता है जिसके लिए वो अकेले ही बाज़ार की और एक नए सफ़र और रोमांच पर निकल जाता है। उस सफ़र में कलकत्ता की आवाज़, स्पर्श और खुशबू है जिसे पाठक

कहानी। इस कहानी का मुख्य किरदार गोपू है। कहानी गोपू और उसके एक दिन के आसपास घूमती है। गोपू अपने बीमार पिता के लिए उनकी पसंदीदा 'माछर झोल' (FishCurry) बनाना चाहता है जिसके लिए वो अकेले ही बाज़ार की और एक नए सफ़र और रोमांच पर निकल जाता है। उस सफ़र में कलकत्ता की आवाज़, स्पर्श और खुशबू है जिसे पाठक महसूस कर पाते हैं। इस सफ़र का अनुभव, गोपू और उसके पिता का रिश्ता, गोपू की मेहनत और उसका सब लोगों पर प्रभाव जहाँ एक और मन को गुदगुदाता है वहीँ आँखों को नम भी करता है।

मैंने एक बार फिर इस कहानी को पढ़ने में बहुत लंबा समय लिया; इसलिए नहीं की कहानी बड़ी है या कहानी की भाषा कठिन है बल्कि इसलिए कि कहानी के चित्र इतने खुबसूरत हैं कि आप आगे बढ़ ही नहीं पाते। चित्रों में शामिल रंग और विवरण बेहद खुबसूरत है। मेरे लिए इस किताब इसके चित्रों के कारण ही ख़ास है और हाँ, सच ही है ये चित्र किसी को भी कुछ नया, कुछ अच्छा लिखने के लिए मजबूर कर सकते हैं। और ये कहना गलत न होगा कि अनुवादक ने कहानी और इसके भावों के साथ न्याय किया है।

#machharjhol #Hindi_Translation #beautiful #illustrated #relationship #Father_Son #Emotions #BeautifullyDescribe #Reader #Reviewer #Storyteller #kahanishala

See translation

Kahanishala
23 July at 16:06 · Facebook for Android ·

किताब – किट्टू उड़न छू!
लेखिका – हर्षिका उदासी
चित्रांकन – लावण्या नायडू
प्रकाशन – एकलव्य

ये कहानी है एक किट्टू और उसकी उड़ान है। इस कहानी में बहुत सारी खूबियाँ हैं। पहला – पात्र का चित्रांकन शब्दों में बहुत ही बखूबी किया गया है। जिस तरह से किट्टू, माधव और इनके परिवार का परिचय कहानी में दिया गया है वह इसे पढ़ने और पात्र के साथ जुड़ने में आसान व रोचक बनाते हैं। दूसरा, कहानी एक काल (समय) पर नहीं चलती अपितु कहानी की घटनाओं में होता काल परिवर्तन कहानी को मज़बूत बनाता है। कहानी का एक ही समय पर दो अलग-अलग जगहों पर बढ़ना भी इसकी खासियत है। तीसरा, कहानी बीच-बीच में बहुत ही छोटे पर एकदम सही जगह पर पाठक या श्रोताओं को सोचने और कहानी का अनुमान लगाने के अवसर देती है। चौथा, कहानी अप्रत्यक्ष रूप से कुछ रोचक तथ्य और जानकारी भी अपने साथ समेटे हैं। जैसे- हमिंग बर्ड, पन्ना और जनवार कैसल के बारे में। छठा, कहानी के चित्र कम और सटीक है। कहानी के चित्र केवल उतना ही कहते हैं जितना ज़रूरी हैं। जैसे कि अगर आप कहानी का मुखपृष्ट ही देखें तो आप पात्र और घटना को समझ पाते हैं।

कहानी की भाषा में कहीं-कहीं गुजरती भाषा के शब्द पढ़ने को मिलते हैं (डफोड़ यानि मुर्ख)। कहीं-कहीं बहुत बड़ी बात को एक वाक्य में ही बोल दिया गया है। साथ ही व्यंग्य और आम बोलचाल वाली भाषा की समय-समय पर कहानी के प्रवाह अनुसार पढ़ने को मिलती रहती है। भाषा का यह मिश्रण कहानी और घटनाओं को वास्तविक बनाता है।

हाँ, मुझे कहीं-कहीं बहुत ही छोटी सही पर वर्तनी की त्रुटियां दिखी जिसके कारण अचानक पड़ते-पड़ते रुकना पड़ा और

आप कहानी का मुखपृष्ट ही देख तो आप पात्र और घटना को समझ पाते हैं।
कहानी की भाषा में कहीं-कहीं गुजरती भाषा के शब्द पढ़ने को मिलते हैं (डफोड़ यानि मुर्ख)। कहीं-कहीं बहुत बड़ी बात को एक वाक्य में ही बोल दिया गया है। साथ ही व्यंग्य और आम बोलचाल वाली भाषा की समय-समय पर कहानी के प्रवाह अनुसार पढ़ने को मिलती रहती है। भाषा का यह मिश्रण कहानी और घटनाओं को वास्तविक बनाता है।
हाँ, मुझे कहीं-कहीं बहुत ही छोटी सही पर वर्तनी की त्रुटियां दिखी जिसके कारण अचानक पड़ते-पड़ते रुकना पड़ा और वाक्य फिर पढ़ना पड़ा।
#Hindi #Fiction #KittuudanChuu #Illustrated #BlackandWhite #ChildFriendly #Beautiful #Eklavya #Reader #Reviewer #Storyteller #SearchformoreStories #Hindi #Kahanishala Eklavya Pitara

See translation